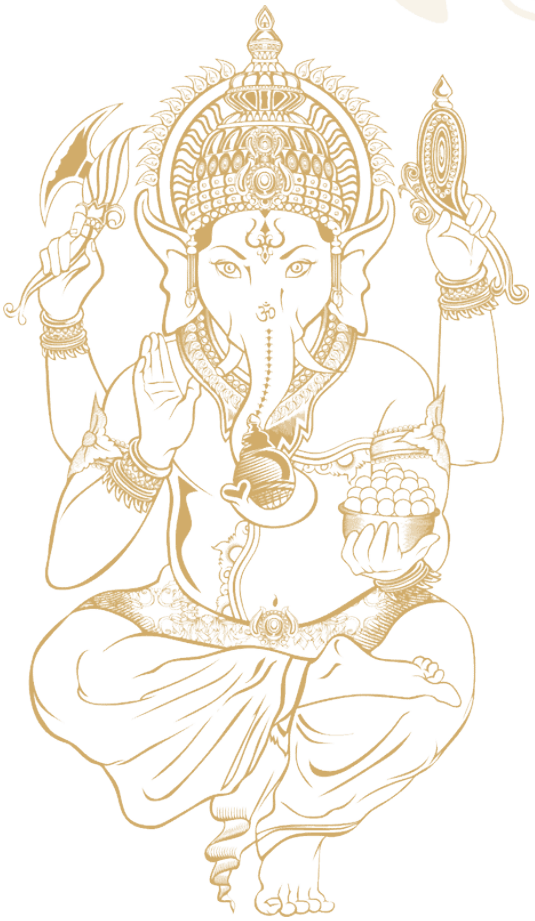

Pratik Raj

23 Aug 2012

05:31 AM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 121591602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23/08/2012**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**05:31:00 घंटे**
इष्ट	00:08:29 घटी
स्थान	**Gaya**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:41:00 घंटे
वेलान्तर	-00:02:35 घंटे
साम्पातिक काल	03:47:45 घंटे
सूर्योदय	05:27:36 घंटे
सूर्यास्त	18:17:00 घंटे
दिनमान	12:49:24 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	06:14:21 सिंह
लग्न के अंश	06:10:09 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	ब्रह्म
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रो-रोहित
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	06:10:09	320:59:03	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	---
सूर्य			सिंह	06:14:21	00:57:50	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	मूलत्रिकोण
चंद्र			तुला	15:27:32	14:08:26	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
मंगल			तुला	05:33:10	00:38:16	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	सम राशि
बुध			कर्क	19:35:03	01:33:34	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
गुरु			वृष	19:31:09	00:07:32	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	20:41:03	01:00:26	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	मित्र राशि
शनि			तुला	01:23:48	00:05:07	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	उच्च राशि
राहु	व		वृश्चि	06:26:33	00:01:35	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	06:26:33	00:01:35	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	सम राशि
हर्ष	व		मीन	13:52:32	00:01:45	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	---
नेप	व		कुंभ	07:44:51	00:01:39	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
प्लूटो	व		धनु	13:05:08	00:00:45	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
दशम भाव			वृष	05:07:08	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:02:17

लग्न-चलित

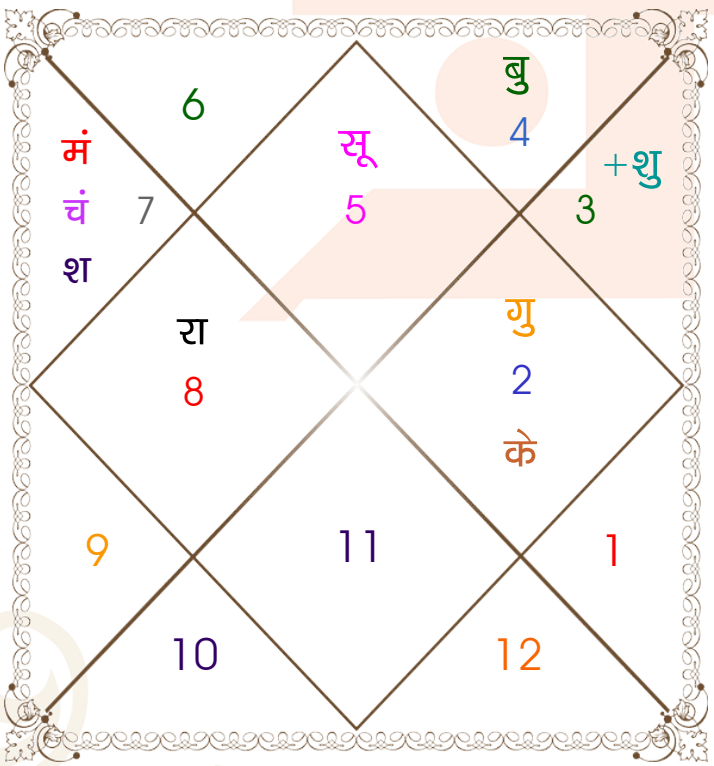

चन्द्र कुंडली

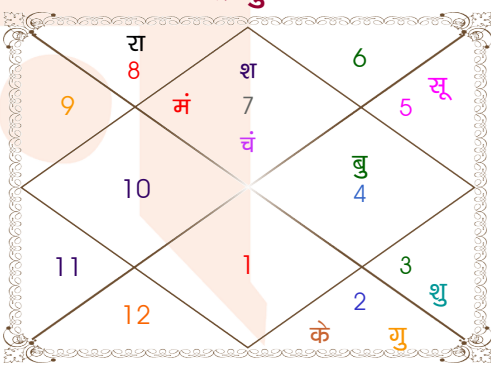

नवमांश कुंडली

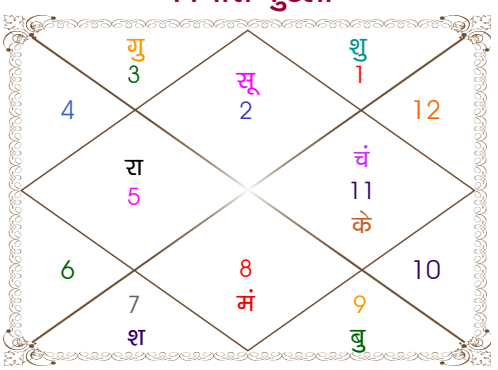

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 6 वर्ष 1 मास 17 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
23/08/2012		10/10/2018		10/10/2034		10/10/2053		10/10/2070	
10/10/2018		10/10/2034		10/10/2053		10/10/2070		10/10/2077	
	00/00/0000	गुरु	27/11/2020	शनि	13/10/2037	बुध	07/03/2056	केतु	08/03/2071
	00/00/0000	शनि	10/06/2023	बुध	22/06/2040	केतु	05/03/2057	शुक्र	07/05/2072
	00/00/0000	बुध	15/09/2025	केतु	01/08/2041	शुक्र	03/01/2060	सूर्य	12/09/2072
	00/00/0000	केतु	22/08/2026	शुक्र	30/09/2044	सूर्य	09/11/2060	चंद्र	13/04/2073
	23/08/2012	शुक्र	22/04/2029	सूर्य	12/09/2045	चंद्र	10/04/2062	मंगल	09/09/2073
शुक्र	29/04/2015	सूर्य	08/02/2030	चंद्र	14/04/2047	मंगल	08/04/2063	राहु	28/09/2074
सूर्य	23/03/2016	चंद्र	10/06/2031	मंगल	22/05/2048	राहु	25/10/2065	गुरु	04/09/2075
चंद्र	21/09/2017	मंगल	16/05/2032	राहु	29/03/2051	गुरु	31/01/2068	शनि	12/10/2076
मंगल	10/10/2018	राहु	10/10/2034	गुरु	10/10/2053	शनि	10/10/2070	बुध	10/10/2077

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
10/10/2077		10/10/2097		11/10/2103		11/10/2113		10/10/2120	
10/10/2097		11/10/2103		11/10/2113		10/10/2120		00/00/0000	
शुक्र	08/02/2081	सूर्य	27/01/2098	चंद्र	11/08/2104	मंगल	09/03/2114	राहु	24/06/2123
सूर्य	08/02/2082	चंद्र	29/07/2098	मंगल	12/03/2105	राहु	27/03/2115	गुरु	16/11/2125
चंद्र	10/10/2083	मंगल	04/12/2098	राहु	10/09/2106	गुरु	02/03/2116	शनि	22/09/2128
मंगल	09/12/2084	राहु	28/10/2099	गुरु	10/01/2108	शनि	11/04/2117	बुध	12/04/2131
राहु	10/12/2087	गुरु	17/08/2100	शनि	11/08/2109	बुध	08/04/2118	केतु	29/04/2132
गुरु	10/08/2090	शनि	30/07/2101	बुध	10/01/2111	केतु	04/09/2118	शुक्र	24/08/2132
शनि	10/10/2093	बुध	05/06/2102	केतु	11/08/2111	शुक्र	05/11/2119		00/00/0000
बुध	10/08/2096	केतु	11/10/2102	शुक्र	11/04/2113	सूर्य	11/03/2120		00/00/0000
केतु	10/10/2097	शुक्र	11/10/2103	सूर्य	11/10/2113	चंद्र	10/10/2120		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 6 वर्ष 1 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्न में हुआ था। लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इनके प्रभाव से यह स्पष्टत सूचना मिलती है कि आप पूर्ण रूपेण सुन्दर एवं आरामदायक उत्तम जीवन व्यतीत करेंगे। जीवन क्रम में कोई गम्भीर चिन्तनीय समस्याएं उत्पन्न नहीं होगी।

आप सिंह राशीय समन्वय की परिधि में आपका समय कोलाहलपूर्ण रहेगा। आप अन्तरात्मा से साहसिक प्रवृति के प्राणी है। आपको अपनी गतिशीलता से अप्रसन्नता प्राप्ति होती है। यदि आप निर्भयता पूर्वक सच्ची लग्न से व्यवसायिक कार्य प्रारम्भ करें तो आपको उत्तम एवं सन्तोषजनक फल प्राप्त होंगे। परन्तु आपके प्रभावशाली कार्य कलाप के सम्पादन पर आपके लाभ का अधिकांश भाग किसी भी परिस्थिति में व्यय करेंगे। आप चाहते है कि आपके परिवार के लोगों का पहनावा वस्त्रादि उत्तम रहें तथा आप इन वस्तुओं पर अच्छा धन व्यय करें। जिससे आपके घरेलू रहन सहन प्रभावशाली दिखाई दे। आप अपने मित्र मण्डली के आमोद-प्रमोद एवं मिलन समारोह पर भी खूब व्यय करेंगे। आप सर्वथा धार्मिक आयोजनों पर तथा दान धर्म के कार्यो में अत्यन्त धन प्रदान करेंगे। परिणाम स्वरूप आप वृद्धावस्था में यह अनुभव करेंगे कि पूर्व में किया गया धन व्यय के कारण इस समय धन का बड़ा अभाव हुआ है। अतः इस प्रकार से अति मात्रा में धन व्यय पर नियंत्रण करें। अतः उत्तम तो यह है कि आप अपने धन की थैली का मुंह इस प्रकार नहीं खोले। मुख्यतः आपके जीवन का भाग्यशाली समय आपके 25 वर्ष की आयु से प्रारम्भ होगा।

आपको आत्म विश्वास है कि मैं धनी तथा सर्व विद्या से परिपूर्ण हूँ। आप का व्यवहार बहुत अन्धाधुंध अर्थात् दुःसाहसपूर्ण है। आप अन्य विकल्प के पूर्व अपने कार्य व्यवसाय के सम्बंध में शीघ्र निर्णय ले। अतः आपको व्यवसायिक विषयों पर अपने मित्रों तथा शुभ चिन्तकों द्वारा अच्छी परामर्श ग्रहण करने की शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए। वास्तव में आपको अपने निर्णय पर किसी भी प्रकार का गम्भीरतापूर्वक सामंजस्य न करे। यदि आप अपनी मद्यपान करने की मनोवृति में बदलाव नहीं ला सके तो आपके जीवन में उच्चस्तरीय अभ्युदय युक्त विशेषतः अर्थहीन हो जाएगा।

यदि आप अपना पारिवारिक जीवन उत्तम प्रकार से व्यतीत करने के अभिलाषी हैं, तो आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृति को नियंत्रित करने की अभ्यास करनी चाहिए। यदि आप अकस्मात आपने पारिवारिक सदस्यों पर कोघ्र प्रदर्शन कर अनुपयुक्त मतान्तरिक व्यवहार करते रहे तो आपका प्रसन्नतम परिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो सकता है। वास्तव में आप घरेलू जीवन का आनन्द प्राप्त कर सकते है। यथा आपकी पत्नी तथा आपकी प्यारी सन्तानें आपको हार्दिक स्नेह प्रदान कर सकते हैं बशर्ते कि आप भी उसके बदले में समान आदान प्रदान करते रहें। आपकी विपरीत योनि के प्रति जो प्रसिद्धि है, एक गम्भीर एवं चिन्तनीय है। जिस विषय पर आपको सतर्क रहना चाहिए। आपकी यह प्रवृति आपकी पत्नी को सशंकित करता है। आपको अपने जीवन संगिनी की आशंकों का विस्तारपूर्वक स्पष्टीकरण करना चाहिए। क्योंकि आप विपरीत योनि के सदस्यों द्वारा प्रसिद्ध एवं प्रभावशाली है। इसका यह अर्थ नहीं कि आप अपने

जीवन संगिनी के प्रति विश्वघात करेंगे।

आपके जन्म प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप मुख्यतः एवं बृहत्कार कार्य कलाप करने की मनोवृति से युक्त हैं। आप अपने अधिनस्थ छोटे-छोटे कार्यों को कार्यान्वित नहीं करना चाहते हैं। आप स्थायी रूप से निगम (कारपोरेशन), कम्पनी तथा भूमि भवन-सम्बंधी कार्य बिन्दु को व्यवहृत करने के प्रति उपयुक्त है।

आप निश्चित रूप से सामान्यतया पूर्ण स्वस्थ रहेंगे। परन्तु आपको वृद्धावस्था के प्रति सावधानी बरतनी होगी क्योंकि ऐसा अवसर आ सकता है कि आपके रीढ़ की हड्डियों की परेशानी तथा हृदय सम्बंधी रोग से ग्रसित हो जाएं। आपको शराब पीने की आदत एवं अतिरिक्त भोजन करने की आदतों को त्यागना वृद्धावस्था के लिए सहायक एवं अनुकूल होगा।

आपके लिए रंग लाल, हरा एवं नारंगी रंग के वस्त्रों का उपयोग अनुकूल है। रंग काला एवं सफेद रंगों का परित्याग करना श्रेयष्कर है। आपके अनुकूल अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।